UNIVERSITY NEWS 05 AUGUST 2026

DAINIK JAGRAN

नशा मुक्ति अभियान के तहत पोस्टर जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत विश्वविद्यालय एवं समाज को नशा मुक्त करने को पोस्टर जारी कर लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया, कुलसचिव डा. भावना मिश्रा, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी, डायरेक्टर सांस्कृतिकी प्रो. अंचल श्रीवास्तव, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। **वि.**

AMAR UJALA

पोस्टर जारी कर नशे के दुष्परिणाम बताए

लखनऊ। समाज को नशामुक्त बनाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को पोस्टर जारी कर नशे के दुष्परिणाम बताए गए। लोगों को जागरूक किया गया। नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए प्रेरित किया। विवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने पोस्टर जारी किया। कुलसचिव भावना मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी, निदेशक सांस्कृतिकी प्रो. अंचल श्रीवास्तव, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव और आरोग्य भवन टीम मौजूद रही। (संवाद)

ग्रामीण महिलाओं का सशक्तीकरण जरूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने ग्रामीण भारत में महिलाओं के योगदान पर राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया। इसमें महिला ग्राम प्रधानों, नीति निर्माताओं और ग्रामीण विकास विशेषज्ञों ने भाग लिया। ट्रांसफार्म रुरल इंडिया की ओर से आयोजित सम्मेलन में समाज कार्य विभागाध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए ग्रामीण महिलाओं का सशक्तीकरण आवश्यक है। भारतीय वन सेवा के अधिकारी अनिरुद्ध पांडे ने कहा कि महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। मुख्यमंत्री युवा मिशन के सर्वेश्वर शुक्ला ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर बल दिया। (संवाद)

'आम लोग लाते हैं देश में बदलाव'

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : देश में होने वाला हर सार्थक बदलाव कुछ ताकतवर लोगों की वजह से नहीं, बल्कि आम लोगों के साथ आने से हुआ है। जब सब मिलकर बोलते हैं, तभी दुनिया बदलती है। ग्रामीण परिवर्तन की शुरुआत तब होती है, जब महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला तक सीमित न रहकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की निर्माता बनती हैं। यह बात जल योद्धा' पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने एलयू में कही।

लखनऊ विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग में मंगलवार को ग्रामीण भारत पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता पर चर्चा की। एमएसएमई के संयुक्त आयुक्त सर्वेश्वर शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब युवा और महिलाएं आत्मनिर्भर उद्यमी बनें। वहीं, सचिव हीरालाल ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांवों का समावेशी विकास हो।

DAINIK JAGRAN

लवि में आनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए खुला पोर्टल, प्रवेश चार सितंबर तक

आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र ने जारी किया नोटिफिकेशन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने आनलाइन पाठ्यक्रमों में जुलाई 2026 सत्र के प्रवेश के लिए मंगलवार को पोर्टल खोल दिया। अभ्यर्थी वेबसाइट luonlineeducation.in के माध्यम से स्नातक और परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निर्धारित शैक्षिक योग्यता के अनुसार प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए चार सितंबर तक समय दिया गया है।

लवि आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि प्रत्येक अभ्यर्थी का पंजीकरण शुल्क 250 रुपये है। सबसे पहले अभ्यर्थी को डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो की वेबसाइट पर एबीसी और डीईबी आइडी बनानी होगी। फिर लवि के पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेशित विद्यार्थियों को सभी व्याख्यान का पीडीएफ तथा वीडियो आनलाइन ही उपलब्ध कराया जाएगा। उनकी समस्याओं और प्रश्नों का समाधान भी शिक्षक आनलाइन ही करेंगे। प्रत्येक छह माह में होने वाली सेमेस्टर परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आना होगा।

लवि ने जारी की हास्टल आवंटन की सूचीलवि ने जारी की हास्टल आवंटन की सूची: लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को स्नातक पांचवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए हास्टल आवंटन की सूची वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी कर दी है। इनमें बी.काम आनर्स, बी.काम और बी.ए पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल हैं। सूची में जिनका नाम शामिल है उन्हें नौ अगस्त तक हास्टल की फीस जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोर्स और प्रति सेमेस्टर शुल्क

- **बीकाम** : 5000 रुपये, परीक्षा शुल्क 1750 रुपये।
- **बीबीए** : 15,000 रुपये, परीक्षा शुल्क चार हजार।
- **एमकाम मार्केटिंग, फाइनेंस एंड एकाउंटिंग** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमए इंग्लिश** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमए इकोनामिक्स** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमए पालीटिकल साइंस** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमएसडब्ल्यू** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमए संस्कृत** : 8000 रुपये, परीक्षा शुल्क 2000 रुपये।
- **एमबीए फाइनेंस मैनेजमेंट, मार्केटिंग, ह्यूमन रिर्सोसेज** : 25,000, परीक्षा शुल्क चार हजार रुपये।

स्नातक प्रवेश की मेरिट जारी, काउंसिलिंग छह से

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए सीयूईटी के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहली मेरिट सूची जारी कर दी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट www.dsmnru.ac.in पर मेरिट सूची देख सकते हैं। प्रवेश निदेशक प्रो. अनामिका चौधरी के अनुसार पहली मेरिट में चयनितों की काउंसिलिंग, मूल अभिलेखों का सत्यापन और प्रवेश शुल्क जमा करने की प्रक्रिया छह और सात को होगी। दूसरी मेरिट और प्रतीक्षा सूची 10 को जारी होगी। दूसरी मेरिट के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग व शुल्क जमा 13 अगस्त तथा प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों की प्रक्रिया 14 अगस्त को आयोजित होगी। इनमें होंगे प्रवेश : बी.ए, बी.काम, बी.एससी, बी.एससी, बीबीए, बी.काम एलएलबी (आनर्स), बीबीए, बी.फार्मा, बी.फार्मा लेटरल एंट्री, बी.टेक, बी.टेक लेटरल एंट्री और बैचलर इन प्रोस्थेटिक्स एंड आर्थोटिक्स (बीपीओ) आदि।

I NEXT

'हम सब मिलकर बोलते हैं, तभी दुनिया बदलती है'

LUCKNOW: पद्मश्री 'जल योद्धा' उमाशंकर पांडे ने मंगलवार को लखनऊ में आयोजित इंडिया रूरल कोलोक्वी 2026 के छठे संस्करण को संबोधित किया. लखनऊ विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग में ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'ग्रामीण कल्याण सूत्रधार के रूप में महिलाएं' था. नीति निर्माताओं, विचारकों और जमीनी स्तर के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सामूहिक प्रयास की ताकत पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि जब आप बोलते हैं, मैं बोलता हूं और हम सब मिलकर बोलते हैं, तभी दुनिया बदलती है. सर्वेश्वर शुक्ला (संयुक्त आयुक्त उद्योग, एमएसएमई और निर्यात संवर्धन विभाग, उप्र सरकार) ने बताया कि सीएम युवा योजना ने लगभग 2 लाख युवाओं को अपनी उद्यमिता यात्रा शुरू करने, विचारों को उद्यमों में बदलने और नौकरियां पैदा करने में सक्षम बनाया है.

सक्षम बनाया है

प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय एकता विभाग के सचिव हीरालाल ने कहा कि जब तक भारत के गांव विकसित नहीं होंगे, तब तक देश विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता. टीआरआई के एसोसिएट डायरेक्टर राजीव त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण परिवर्तन की शुरुआत तब होती है, जब महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला तक सीमित न रहकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की निर्माता बनती हैं.

I NEXT

ऑनलाइन कोर्स के लिए खुला पोर्टल, प्रवेश शुरू

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने आनलाइन पाठ्यक्रमों में जुलाई 2026 सत्र के प्रवेश के लिए मंगलवार को पोर्टल खोल दिया. अभ्यर्थी वेबसाइट luonlineeducation.in के माध्यम से स्नातक और परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निर्धारित शैक्षिक योग्यता के अनुसार प्रवेश ले सकते हैं. इसके लिए चार सितंबर तक समय दिया गया है. एलयू आनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि प्रत्येक अभ्यर्थी का पंजीकरण शुल्क 250 रुपये है. सबसे पहले अभ्यर्थी को डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो की वेबसाइट पर एबीसी और डीईबी आइडी बनानी होगी. फिर लवि के पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी होगी. उन्होंने बताया कि प्रवेशित विद्यार्थियों को सभी व्याख्यान का पीडीएफ तथा वीडियो आनलाइन ही उपलब्ध कराया जाएगा. उनकी समस्याओं और प्रश्नों का समाधान भी शिक्षक आनलाइन ही करेंगे. प्रत्येक छह माह में होने वाली सेमेस्टर परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आना होगा.

SWATANTRA BHARAT

लविवि : एलियंस ग्रुप के भर्ती के लिए करें पंजीकरण

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल (मुख्य परिसर) ने एलियंस ग्रुप के भर्ती अभियान के लिए पात्र विद्यार्थियों से पंजीकरण आमंत्रित किए हैं। यह भर्ती अभियान कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी एवं प्लेसमेंट सेल (मुख्य परिसर) के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीया के मार्गदर्शन मे किया जा रहा है। यह अवसर एमबीए (सभी स्पेशलाइजेशन) के 2026 एवं 2027 बैच के विद्यार्थियों के लिए है। भर्ती सेल्फ लीड जनरेटर रियल एस्टेट सेल्स एवं डिजिटल मार्केटिंग पद के लिए की जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों को कंटेंट क्रिएशन, सेल्फ लीड जनरेशन, इवेंट्स एवं एक्टिवेशन, ग्राहक पिचिंग एवं फॉलो-अप, साइट विजिट तथा सेल्स क्लोजर जैसी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति हैदराबाद में होगी तथा उन्हें सप्ताह में छह दिन कार्य करना होगा। कंपनी की ओर से ?8 लाख वार्षिक सीटीसी प्रदान की जाएगी, जिसमें ?6 लाख वार्षिक फिक्स्ड वेतन तथा ?2 लाख प्रदर्शन आधारित परिवर्तनीय (परफॉर्मेंस वैरिएबल) शामिल है।

NBT

क्लास छूटी तो फिक्र न करें...

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

- LU में पसंदीदा प्रोफेसर के लेक्चर मिलेंगे ऑनलाइन, अब हर कोर्स की पढ़ाई का होगा डिजिटल कंटेंट
- शिक्षक ऑफलाइन क्लास लेने के साथ-साथ अपने रिकॉर्डेड लेक्चर विवि के 'लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' (LMS) पोर्टल पर अपलोड करेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) में अब छात्र जल्द ही अपने पसंदीदा प्रोफेसर के लेक्चर ऑनलाइन भी सुन सकेंगे। विवि प्रशासन ने डिजिटल कंटेंट तैयार करने पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत शिक्षक ऑफलाइन क्लास लेने के साथ-साथ अपने रिकॉर्डेड लेक्चर विवि के 'लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' (LMS) पोर्टल पर अपलोड करेंगे। इससे अगर किसी छात्र की कोई क्लास या यूनिट मिस हो जाती है, तो वह ऑनलाइन लेक्चर के जरिए पढ़ाई पूरी कर सकेगा। इस तरह की व्यवस्था लागू करने वाला एलयू शहर का पहला विश्वविद्यालय होगा।

ऑफलाइन कोर्सों का भी बनेगा लोकल कंटेंट : फिलहाल एलयू के LMS पोर्टल पर सिर्फ ऑनलाइन संचालित होने वाले कोर्सों का ही डिजिटल कंटेंट उपलब्ध है। लेकिन अब विवि अपना 'लोकल कंटेंट' तैयार करने जा रहा है। इसके तहत रेगुलर (ऑफलाइन) चल रहे सभी कोर्सों की कक्षाओं और स्टडी मटीरियल को ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। विवि के सभी प्रोफेसर्स को अपने लेक्चर रिकॉर्ड करने को कहा जाएगा। शुरुआत प्रमुख प्रमुख कोर्सों से होगी और धीरे-धीरे पूरे सिलेबस का डिजिटल मटीरियल पोर्टल पर आ जाएगा।

डिग्री कॉलेजों के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा लॉग-इन : एलयू के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि यह सुविधा केवल एलयू कैंपस के छात्रों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि विवि से संबद्ध सभी डिग्री कॉलेजों के छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा। कोर्स मटीरियल अपलोड होने के बाद छात्र लॉग-इन करके इसे एक्सेस कर सकेंगे। इस प्रोजेक्ट में संबद्ध कॉलेजों की फैकल्टी का भी सहयोग लिया जाएगा और उनके बेहतरीन कंटेंट को इसमें शामिल किया जाएगा। विवि का लक्ष्य भविष्य की डिजिटल शिक्षा के लिए खुद को 'ऑफ-कैंपस एजुकेशन हब' के रूप में विकसित करना है।

AMRIT VICHAR

कार्यक्रम | ट्रांसफार्म रूरल इंडिया का लविवि में राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम

विकसित भारत के लिए गांव और महिलाओं का सशक्तीकरण जरूरी

- ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका पर मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में ट्रांसफार्म रूरल इंडिया की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका पर मंथन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर से महिला ग्राम प्रधान, नीति निर्माता, शिक्षाविद् और ग्रामीण विकास से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। सामुदायिक नेतृत्व, स्थानीय संस्थाओं के सशक्तीकरण, जलवायु-अनुकूल आजीविका, हरित अर्थव्यवस्था और सतत ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि विकसित भारत का सपना ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1.15 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक और सामाजिक बदलाव की भागीदार बनी हैं।

बहराइच के महपुरवा ब्लॉक के मधवापुर गांव की ग्राम प्रधान आशी देवी ने बताया कि दिल्ली में मिले 25 लाख रुपये के पुरस्कार से उन्होंने गांव में सामुदायिक केंद्र, शौचालय बनवाए और स्थानीय अस्पताल की मरम्मत कराई, जिससे ग्रामीणों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए ब्लॉक नहीं जाना पड़ता।

भारतीय वन सेवा के अधिकारी अनिरुद्ध पांडे ने कहा कि महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी आय बढ़े बिना विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री युवा मिशन के सर्वेश्वर शुक्ला ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया, जबकि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. हीरालाल ने युवाओं को नवाचार अपनाने की जरूरत बताई। जल संरक्षण विशेषज्ञ उमाशंकर पाण्डेय ने गांवों के विकास को प्राथमिकता देने की अपील की।

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. हीरालाल व अन्य। • अमृत विचार

AMRIT VICHAR

नई पहल | लविवि की जागरूकता बस शहर में घूम कर बताएगी नशे के नुकसान, पोस्टर भी जारी

लिवर सिरोसिस के 48 प्रतिशत मामलों की वजह शराब

- धूम्रपान से अस्थमा, खांसी से हाई बीपी और कैंसर तक का खतरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नशा शराब का हो, सिगरेट या तंबाकू का, वह शरीर के अंगों को धीरे-धीरे प्रभावित कर रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अध्ययन और रिपोर्ट के आधार पर सात प्रकार के पोस्टर जारी किए हैं। पोस्टर में दी गई जानकारी शराब और सिगरेट के शौकीनों के लिए आंख खोलने वाला है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी पोस्टर में जानलेवा बीमारी लिवर सिरोसिस के 48 प्रतिशत मामलों में शराब को जिम्मेदार माना गया है। शरीर के आठ अंगों को अलग-अलग 30 प्रकार से शराब नुकसान पहुंचाता है। शराब का सेवन करने वालों का मस्तिष्क, हृदय और रक्तचाप, लिवर, किडनी, पेट और आंत, मांसपेशिया, हार्मोन और प्रतिरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इसी प्रकार धूम्रपान से न केवल फेफड़ों के कैंसर का खतरा है बल्कि अस्थमा, स्ट्रोक जैसी 12 प्रकार की जानलेवा समस्याएं खड़ी होती हैं।

धूम्रपान से होने वाली मुख्य बीमारियां

- फेफड़ों का कैंसर, दीर्घकालिक ब्रोंकाइटिस, एंफिसेमा, स्ट्रोक, अस्थमा, सीओपीडी, गले का कैंसर, मुख का कैंसर, फेफड़े का कैंसर, जठर कैंसर, मूत्राशय कैंसर, मसूड़ों की बीमारी और अल्सर।

हम नशा क्यों नहीं छोड़ पाते

- नशे की आदत हमारे दिमाग, भावनाओं, अवचेतन मन और जीवनशैली से गहराई से जुड़ा हुआ एक चक्र है। कोई परिस्थिति विचार या भावना हमें नशे की तरफ धकेलता है। तुरंत राहत की चाह अवचेतन मन में उठती है और "बस एकबार" की इच्छा हमें नशे में ले जाती है।

अवचेतन को नए सुख देने की आदत बदलें

- ये लड़ाई दिमाग की नहीं है, इच्छा शक्ति की जगह मस्तिष्क के प्रोग्रामिंग को बदलना होगा। अवचेतन को नई आदतों से सुख देने की आदत विकसित करना होगा। हर दिन छोटा कदम आपको जानलेवा नशे की आदत से दूर कर सकता है। जीवन में नया मकसद और दिशा तय करें, योग, प्राणायाम, ध्यान नियमित करें।

शराब के दुष्प्रभाव

- 18 प्रतिशत आत्महत्या
- 18 प्रतिशत पारस्परिक हिंसा
- 27 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं
- 13 प्रतिशत मिर्गी का दौरा
- 48 प्रतिशत लिवर सिरोसिस
- 26 प्रतिशत मुंह का कैंसर
- 26 प्रतिशत अग्नाशय की बीमारी
- 20 प्रतिशत टीबी
- 11 प्रतिशत बड़ी आंत का कैंसर
- 5 प्रतिशत स्तन कैंसर
- 7 प्रतिशत उच्च रक्तचाप और हृदय रोग

SWATANTRA BHARAT

लविवि में चला नशा मुक्ति अभियान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जयप्रकाश सैनी जी के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को और सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए तथा विश्वविद्यालय एवं समाज को नशा मुक्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस संबंध में विभिन्न पोस्टर जारी करके इसके दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अमिता कनौजिया, कुलसचिव डॉ भावना मिश्रा, चीफ प्रोवोस्ट प्रो आशीष अवस्थी, डायरेक्टर सांस्कृतिकी प्रो अंचल श्रीवास्तव, प्रो विनोद सिंह, प्रो गीतांजलि मिश्रा, प्रो मुकुल श्रीवास्तव उपस्थित थे।

HINDUSTAN

एलयू ने पोस्टर से की नशा मुक्ति की नसीहत

लखनऊ। भारत सरकार व जन भवन की प्रेरणा से लखनऊ विश्वविद्यालय ने नशा मुक्ति अभियान को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी की अगुवाई में विश्वविद्यालय ने नशे के दुष्परिणामों से लोगों को सचेत करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए विभिन्न जागरूकता पोस्टर जारी किए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर के साथ-साथ समाज को नशामक्त बनाने के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

AMRIT VICHAR

- लखनऊ विश्वविद्यालय में समस्त विभागों का कार्य ई-आफिस के माध्यम से संचालित करने के लिए शिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण-11:00 बजे से।